[श्री परिपूर्णानन्द पेन्यूली]

टिहरी जेल में श्री देव सुमन ने 84 दिन का अनशन किया था और उनका स्वर्गवास वहां हुआ था। वहां के राजा को प्रिवीपर्स दिया गया लेकिन उनकी जल में मरने वाले श्री सुमन के परिवार की जो आज हालत है, वह शायद किसी को ज्ञान नहीं है। मैडम कामा, खुदी राम बोस आदि कई और सेनानी हैं जिनके स्मारक बनाने की आवश्यकता है। उनकी स्मृति को चिर स्थायी बनाने के लिए यह चीज होनी चाहिये। इनके अलावा....

12.42 hrs.

ANNOUNCEMENT RE. SITTING OF THE HOUSE ON SATURDAY, DECEMBER 18, 1971.

MR. SPEAKER: Tomorrow, most of us are here. What if we sit tomorrow for two or three hours? If we sit for a few hours tomorrow also, we can have more time for discussion.

SEVERAL HON. MEMBERS: Yes.

MR. SPEAKER: So I must say in advance that we shall be meeting tomorrow. What time shall we meet?

SHRI R. V. SWAMINATHAN (Madurai): We can meet between 2 and 4 p.m.

MR. SPEAKER: So, we shall be sitting tomorrow to avail of the time from 2 p.m to 4 p.m.

As for the business, the hon Minister has already announced the business, and the Order Paper will be circulated.

12.43 hrs.

FREEDOM FIGHTERS (APPRECIATION OF SERVICES) BILL—*Contd.*

श्री परिपूर्णानन्द पैन्यूली (टिहरी—गढ़वाल) : एक और सुझाव मैं देना चाहता हूं। स्वतन्त्रता सेनानियों की ओर हम न केवल आदर भाव दिखायें, उचित एलाउंस उनको दें बल्कि जितने भी हमारे नेशनल फैस्टिवल होते हैं जैसे 15 अगस्त, 26 जनवरी आदि इन अवसरों पर जिला स्तर पर, प्रान्तीय स्तर पर और केंद्रीय स्तर पर विशेष अतिथि भी उनको हम बनायें, वी आई पीज की तरह हम उनको आमंत्रित करें और वह ट्रीटमेंट उनको द।

उनके जो आश्रित हैं, उनके जो परिवार के लोग हैं, वे बहुत बुरी दशा में हैं। उनको नाममात्र की पैंशन प्रान्तीय सरकारें देती हैं। वे भी कभी कभी देती हैं। और कभी कभी नहीं देती हैं। चार छः महीने या साल दो साल बाद नहीं देती हैं। उनको उचित मात्रा में और रेग्युलरली और समय पर पैंशन मिलती रहनी चाहिये।

मैडिकल फेसिलिटीज भी उनको मिलनी चाहिये। बच्चों की शिक्षा की सुविधा होनी चाहिये। उनको वही सुविधाए मिलनी चाहिये जो कि विधायकों को अथवा ससद सदस्यों को आज प्राप्त है। ये बहुत छोटी बातें हैं और बहुत कम धनराशि की इनके लिए आवश्यकता है। किन्तु ऐसा करके हम उनके प्रति अपनी कृतज्ञता का भाव व्यक्त कर सकेंगे।

हम सिल्वर जुबली मनायेंगे तो यह सब स्वतन्त्रता सेनानियों, उनकी सेवाओं, उनके त्याग और तपस्या के प्रति हमारी कृतज्ञता का सूचक होगा।

इन शब्दों के साथ मैं बिल का समर्थन करता हूं और निवेदन करता हूं कि यदि सरकार कोई दूसरा बिल अगले सत्र में प्रस्तुत करने वाली है तो मेरी श्री शिब्बन लाल सक्सेना से प्रार्थना होगी कि वह अपने बिल को वापिस ले लें।

श्री रामसहाय पांडे (राजनदगांव) : इस विधेयक का मैं बड़े आदर के साथ समर्थन करता हूं।

श्री शशि भूषण (दक्षिण दिल्ली) : आप भी फ्रीडम फाइटर रहे हैं। आप आसन ग्रहण करे रखें।

अध्यक्ष महोदय: मैं इतनी देर बैठा रहा हूं। मैं रहा हूं, इसीलिए मैंने पहले समय इसके लिए बढ़ाया है।

12.46 hrs.

[SHRI N.K.P. SALVE *in the Chair*]

श्री राम सहाय पांडे : जब हम शहीदों का, सत्याग्रहियों का, जेल यात्रियों का जिन्होंने लाठियां खाई, गोलियां खाई, घोड़ों की टाप से रौंद गय, उनका स्मरण करते हैं, उनके प्रति आदर भाव और श्रद्धा का भाव प्रदर्शित करते हैं तो बहुत महत्व इस बात का नहीं होता